किंमत : रुपये 10 /-

कला व ललितकला विद्याशाखा (दहा मात्र)

अंतरी पेटवू ज्ञानज्योत

उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ

जळगाव

एम. फिल. अभ्यासक्रम

हिंदी

(ऑगस्ट, 2006 पासून लागू)

प्रकाशक :- कुलसचिव, उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ,
जळगाव.

उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय,जलगाँव

एम.फिल.(हिंदी) पाठ्यक्रम

(अगस्त २००६ से प्रारंभ)

प्रश्नपत्र १ - अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया

अ) अनुसंधान का स्वरुप:

i) अनुसंधान के लिए प्रयुक्त विभिन्न शब्द एवं उनका औचित्य ।

ii) अनुसंधान की विविध परिभाषाएँ और उनका आशय ।

iii) अनुसंधान के उद्देश्य ।

iv) अनुसंधान और आलोचना : तुलनात्मक विवेचन ।

v) अनुसंधान की विवेचन पध्दति- वस्तुनिष्ठता,तर्क संगति, प्रमाणबध्दता ।

आ) अनुसंधान के प्रकार :

i) साहित्यिक अनुसंधान और उसके प्रकार -

वर्णनात्मक, ऐतिहासिक,तुलनात्मक,व्याख्यात्मक ।

ii) साहित्येतर अनुसंधान ।

iii) साहित्यिक एंव साहित्येतर अनुसंधान : साम्य - वैषम्य एवं अंत: संबंध ।

iv) अंतर्विद्याशास्त्रीय अनुसंधान का सामान्य परिचय ।

इ) अनुसंधान की प्रक्रिया :

विषय चयन,सामग्री संकलन,सामग्री का विश्लेषण, सामग्री का संश्लेषण,

सामग्री का विवेचन एवं निष्कर्ष ।

ई) प्रबंध लेखन प्रणाली :

शीर्षक निर्धारण, भूमिका लेखन, अध्याय विभाजन, संदर्भ उल्लेख, पाद टिप्पणी, परिशिष्ट , संदर्भ सूची, टकलेखन, वर्तनी सुधार ।

उ) अनुसंधान कार्य के घटक तत्त्व और सामग्री :

i) घटक : अनुसंधान कर्ता, निर्देशक ।

ii) सामग्री : सामग्री के प्रकार, सामग्री के स्रोत ।

ऊ) हिंदी अनुसंधान कार्य की स्थिति एवं संभावना :

i) विभिन्न क्षेत्रों के उल्लेखनीय शोध कार्यों के आधार पर हिंदी अनुसंधान कार्य की स्थिति का परियचय ।

ii) हिंदी अनुसंधान की संभावनाएँ - अंतर्विद्याशास्त्रीय अनुसंधान, तुलनात्मक अनुसंधान आदि ।

संदर्भ ग्रंथ :

१) शोध प्रविधि - डॉ. विनय मोहन शर्मा

२) अनुसधान की प्रक्रिया - सं.डॉ.सावित्री सिन्हा,विजयेन्द्र स्नातक

३) नवीन शोध विज्ञान डॉ. तिलक सिंह

४) अनुसधान का विवेचन डॉ. उदयभानु सिंह

५) अनुसंधान - डॉ. सत्येंद्र

६) साहित्य सिध्दांत और शोध - डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित

७) हिंदी अनुसंधान - डॉ. विजयपाल सिंह

८) शोध प्रक्रिया एवं विवरणिका - डॉ. सरनाम सिंह

९) साहित्यिक शोध के सिध्दांत और समस्याएँ- डॉ.देवराज उपाध्यक्ष

१०) अनुसंधान का स्वरूप - डॉ. सावित्री सिन्हा

११) अनुसंधान और आलोचना - डॉ. नगेंद्र

१२) अनुसंधान के मूल तत्त्व - सं.विश्वनाथ प्रसाद

१३) अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया - डॉ.विनयकुमार पाठक,डॉ.जयश्री शुक्ल

१४) अनुसंधान प्रविधि - डॉ. गणेशन

१५) अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया - डॉ. राजेंद्र मिश्र

****

प्रश्नपत्र २ - साहित्य तथा अन्य ज्ञानशाखाओं का अंत : संबंध

१) साहित्य और समाजशास्त्र ।

२) साहित्य और संस्कृति ।

३) साहित्य और दर्शन ।

४) साहित्य और मनोविज्ञान ।

५) साहित्य और सौंदर्यशास्त्र ।

६) साहित्य और भाषाविज्ञान ।

७) साहित्य और इतिहास ।

८) साहित्य और तकनीकी ।

९) साहित्य और अर्थशास्त्र ।

उपर्युक्त ज्ञानशाखाओं के अंत: संबंधों का अध्ययन निम्नलिखित बिन्दुओं पर आधारित है -

i) साहित्य का स्वरूप ।

ii) ज्ञानशाखा विशेष का स्वरूप ।

iii) साहित्य और ज्ञानशाखा विशेष की समान भूमियाँ ।

iv) साहित्य को ज्ञानशाखा विशेष का प्रदेय ।

v) ज्ञानशाखा विशेष को साहित्य का प्रदेय ।

vi) साहित्य और ज्ञानशाखा विशेष के विभेदक तत्त्व ।

संदर्भ ग्रंथ :

१.) भाषा और समाज - डॉ. रामविलास शर्मा

२) मान' मूल्य और साहित्य - डॉ. धर्मवीर भारती

३) नये साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - गजानन माधव मुक्तिबोध

४) आधुनिक कथा - साहित्य और मनोविज्ञान - डॉ. देवराज उपाध्याय

५) स्वतंत्र कलाशास्त्र (भाग १-२) - डॉ. कांतिचंद्र पाण्डेय

६) मार्क्सवादी सौंदर्यशास्त्र - सं.ज्ञानरंजन, कलाप्रसाद पाण्डेय

७) साहित्येतिहास : संरचना और स्वरूप - डॉ. सुमन राजे

८) आधुनिक मनोविज्ञान जिज्ञासा - गंगाधर झा

९) अथातो सौंदर्य जिज्ञासा - डॉ. रमेशकुंतल मेघ

१०) साहित्य का समाजशास्त्र - डॉ. नगेन्द्र

११) साहित्य का समाजशास्त्र - विश्वंभरदयाल गुप्त

१२) साहित्य और इतिहास दृष्टि - डॉ. मैनेजर पाण्डेय

१३) मनोविश्लेषण और साहित्यालोचन - डॉ.देवेन्द्रनाथ शर्मा

१४) आस्था और सौंदर्य - डॉ. रामविलास शर्मा

****

प्रश्नपत्र ३ - हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि

१) विचारधारा और साहित्य का संबंध ।

२) मध्ययुगीन परिवेश और चिंतन ।

३) विभिन्न धर्म साधनाएँ और वैष्णव धर्मान्दोलन ।

४) मध्ययुगीन बोध और आधुनिक बोध में साम्य वैषम्य ।

५) आधुनिक बोध और औद्योगिक संस्कृति ।

६) पुनर्जागरण,पुनरूत्थान और हिंदी लोक - जागरण ।

७) हिंदी साहित्य में संबध्द विशिष्ट मतवाद - गांधीवाद,मार्क्सवाद,

मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, उत्तर आधुनिकतावाद ।

८) परम्परा और आधुनिकता ।

९) राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन और हिंदी साहित्य ।

१०) स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य के प्रमुख विवेच्य विषय - आंचलिकता,

ग्राम्यबोध,महानगरीय बोध, धर्मनिरपेक्षता,स्त्री विमर्श,दलित विमर्श ।

संदर्भ ग्रंथ :

१) हिंदी साहित्य में वैचारिक पृष्ठभूमि - डॉ. विजयकुमार पाठक

२) समकालीन विचारधाराएँ और साहित्य - डॉ. राजेंद्र मिश्र

३) आधुनिक हिंदी कविता का वैचारिक पक्ष - डॉ. रतनकुमार पाण्डेय

४) महात्मा गांधी : जीवन और दर्शन - रामलाल विवेक

५) गांधी : विचार और दृष्टि - हरदान हर्ष

६) हिंदी साहित्य और गांधीवादी चेतना - सं.डॉ.सुशीला गुप्ता

७) मध्ययुगीन हिंदी काव्य में वैष्णव संस्कृति और समाज- नागेंद्र सिंह

८) आधुनिक भावबोध - डॉ.पी.वी.कृष्ण नायर

९) संस्कृति के चार अध्याय - रामधारी सिंह 'दिनकर'

१०) मार्क्सवाद - यशपाल

११) मार्क्सवादी साहित्य चिंतन - डॉ.शिवकुमार मिश्र

१२) मध्ययुगीन हिंदी साहित्य में धर्मनिरपेक्षता - डॉ. कृष्ण पोतदार

१३) आधुनिक भावबोध की संज्ञा - अमृतराय

१४) आधुनिकता और हिंदी साहित्य - इन्द्रनाथ मदान

१५) साहित्य और आधुनिक बोध - देवेन्द्र इस्सर

१६) विचार और अनुभूति - डॉ. नगेन्द्र

१७) फ्रायड : मनोविज्ञान - अनु. देवेन्द्र कुमार

१८) आधुनिक भारतीय चिंतन - विश्वनाथ

१९) आधुनिक सामाजिक आंदोलन और आधुनिक हिंदी साहित्य - कृष्ण बिहारी मिश्र

२०) भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन का इतिहास - मन्मथनाथ गुप्त

****